आलस्य और अलबेलापन - 62

अव्यक्त बापदादा :- (31.12.2005)

➳ _ ➳ तीन मास बापदादा देते हैं, ठीक हैं देवें? होमवर्क देगे क्योंकि यह बीचबीच का होमवर्क भी लास्ट पेपर में जमा होगा। तो तीन मास में हर एक अपना चार्ट चेक करना कि मैं मास्टर सर्वशक्तिवान होकर किसी भी कर्मेन्दिय को, किसी भी शक्ति को जब ऑर्डर करें, जो ऑर्डर करें वह प्रैक्टिकल में ऑर्डर माना या नही माना? कर सकते हो? तीन मास कोई भी पुराना संस्कार वार नहीं करें। अलबेले नहीं बनना, रॉयल अलबेलापन नहीं लाना, हो जायेगा. बापदादा से बहुत मीठीमीठी बातें करते हैं, कहते हैं बाबा आप फिकर नहीं करो, हो जाऊँगा। बापदादा क्या करेगा? सुनकर मुस्कुरा देता है। लेकिन बापदादा इन तीन मास में अगर ऐसी बात की तो मानेगा नहीं।

➳ _ ➳ बापदादा बच्चों से प्रश्न पूछता है - कब तक हर एक स्वयं को सम्पन्न और सम्पूर्ण बनायेंगे? दूसरे को नहीं देखो, यह अलबेलापन आ जाता हैं। दूसरे भी करते हैं, मैंने किया तो क्या हुआ। यह अलबेलापन है। मुझे स्व को सम्पन्न बनाना है। (28.03.2006)

➳ _ ➳ स्वयं के स्वमान में भी एकाग्र रहो और समय के महत्व को भी जानी। स्वयं और समय, स्वयं को स्वमान है, समय का महत्व है। अलबेला नहीं बनना। 70 साल बीत चुके हैं, अभी अगर अलबेले बनें तो बहुत कुछ अपनी प्राप्ति कम कर देंगे। क्योंकि जितना आगे बढ़ते हैं ना उतना एक अलबेलापन, बहुत अच्छे हैं, अलबेलापन और रॉयल आलस्य। अलबेलापन और आलस्य। कब शब्द है आलस्य, अब शब्द है तुरत दान महापुण्य।

(16.11.2006)

➳ _ ➳ अभी बापदादा इन दो शक्तियों के ऊपर अण्डरलाइन करा रहा है। एक दृढ़ता की कमी आ जाती है। कमी का कारण, अलबेलापन, दूसरे को देखने का। हो जायेगा, कर तो रहे हैं, करेंगे, जरूर करेंगे.।

(31.12.2006)

➢➢ साक्षात्कार मूर्त बनने के लिए5 बातें

➳ _ ➳ बीती हुई कमजोरी को फुलस्टॉप लगाना

➳ _ ➳ दृढ़ संकल्प से पुराने संस्कार को समाप्त कर देना

➳ _ ➳ दूसरों की कमजोरी को नहीं देखना, नकल नहीं करना

➳ _ ➳ अवगुण धारण करने वाली बुद्धि का नाश

➳ _ ➳ दिव्य गुण धारण करने वाली बुद्धि को धारण करना

➢➢ शक्तिशाली बनने के लिए क्या शक्तिशाली चाहिए?

➳_ ➳ शक्तिशाली संकल्प

→ श्रेष्ठ स्वमान में रहना... स्वमान सबसे श्रेष्ठ शक्तिशाली संकल्प हैं...

➳ _ ➳ शक्तिशाली भावना

→ सबसे शक्तिशाली भावना है शुभ भावना... अपकारी पर भी उपकार, कल्याण का भाव हो, घृणा का भाव न हो...

➳ _ ➳ शक्तिशाली कल्पना {imagination / visualization}

➳ _ ➳ शक्तिशाली मनन

➳ _ ➳ शक्तिशाली बोल

→ जो ज्ञान के बोल हैं।

➳ _ ➳ शक्तिशाली कर्म

→ विशेष आत्मा के कर्म साधारण नहीं हो सकते... देहि अभिमानी हो किये गए कर्म शक्तिशाली होंगे...

➳ _ ➳ शक्तिशाली साहित्य/ लिटरेचर

→ अव्यक्त मुरलियाँ, सन्देश

➳ _ ➳ शक्तिशाली लेक्चर

→ भगवान की वाणी, अव्यक्त वाणियाँ, साकार व अव्यक्त मुरलियाँ

➳ _ ➳ शक्तिशाली स्थान

→ शक्तिशाली स्थान हैं 3

■ परमधाम

■ सूक्ष्म वतन

■ मधुबन

→ लौकिक में रहते हुए भी मन से मधुबन में हो..

→ मन से बार बार 4 धाम की यात्रा करते रहें...

➳ _ ➳ शक्तिशाली भोजन

→ जो आत्मा में बल भर दे... जो परमात्म याद में स्वीकर किया जाए...

→ समर्पण, प्रेम, धन्यवाद से स्वीकार किया जाए...

➳ _ ➳ शक्तिशाली संग

→ शक्तिशाली व्यक्ति को फॉलो करो... सर्व शक्तिवान बापदादा का संग करना...

➳ _ ➳ शक्तिशाली सम्बन्ध सम्पर्क

→ ब्रह्मा बाबा, दादियों का... संपर्क ज्ञानी तपस्वी आत्माओं का संग...

➳ _ ➳ शक्तिशाली योग

→ देह सहित देह के सर्व सम्बन्धों को भूल बाप को याद करना...

➳ _ ➳ शक्तिशाली दृष्टि

→ अपनी दृष्टि को शक्तिशाली कैसे बनायें?

■ पवित्र बनना... जब बाप की दृष्टि स्थूल नेत्रों पर पड़ती है तो ये नेत्र शक्तिशाली बन जाएंगे...

➳ _ ➳ शक्तिशाली वृत्ति

→ यह परिणाम है...

➳ _ ➳ शक्तिशाली दिनचर्या

➳ _ ➳ शक्तिशाली चलना फिरना

➳ _ ➳ शक्तिशाली मिलन

➳ _ ➳ शक्तिशाली ब्रेक

➳ _ ➳ सम्यक निर्णय

➳ _ ➳ आठ शक्तियाँ

→ सर्व कर्मेन्द्रियाँ हमारे अधीन हों...

→ प्रयोगी आत्मा बनना है...

➳ _ ➳ शक्तिशाली तपस्या

➳ _ ➳ शक्तिशाली गहरा चिन्तन

➳ _ ➳ शक्तिशाली शरीर

→ शरीर बीमारियों से मुक्त चाहिए...

➳ _ ➳ शक्तिशाली खजाने

➳ _ ➳ शक्तिशाली कमेन्ट्री

➢➢ शक्तिशाली बनने के लिए स्वमान

➳ _ ➳ मैं हनुमान हूँ...

➳ _ ➳ मैं शिवशक्ति हूँ...